This question paper contains 16 printed pages]

Your Roll No................

2644

B.A. (Programme)/I **D-II**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper I

हिंदी भाषा (क)—प्रश्नपत्र I

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15+15=30

(क) काल के परिवर्तन की कैसी महिमा है जो अपने साथ ही साथ मानुषी प्रकृति के परिवर्तन पर भी बहुत कुछ असर पैदा कर देता है। वाल्मीकि ने जिन-जिन बातों को अवगुण समझ अपनी कल्पना के प्रधान नायक रामचंद्र में बरकाया था वे ही सब व्यास में समय गुण हो गईं, जिनकी कविता का मुख्य लक्ष्य यही

P.T.O.

था कि अपना मान, अपना गौरव, अपना प्रभुत्व जहाँ तक हो सके न जाने पावे। भारत के हर एक प्रसंग का तोड़ अंत में इसी बात पर है। शत्रु-संहार और निज कार्य-साधननिमित्त व्यास ने महाभारत में जो-जो उपदेश दिए हैं और राजनीति की काट ब्यौंत जैसी-जैसी दिखाई है उसे सुन बिस्मार्क सरीखे इस समय के राजनीति के मर्म में कुशल राजपुरुषों की अकिल भी चरने चली जाती होगी। इससे निश्चय होता है कि प्रभुत्व और स्वार्थसाधन तथा प्रवंचना परवश भारतवर्ष उस समय कहाँ तक उदार भाव, समवेदना आदि उत्तम गुणों से विमुख हो गया था। युधिष्ठिर धर्म के अवतार और सत्यवादी प्रसिद्ध हैं पर उनकी सत्यवादिता निज कार्य साधन के समय सब खुल गई।

(*i*) अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) काल के परिवर्तन का प्रभाव मानुषी-प्रकृति पर किस प्रकार दिखाई देता है ?

(*iii*) वाल्मीकि और व्यास के साहित्य का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'युधिष्ठिर की सत्यवादिता निज कार्य-साधन के समय सब खुल गई।' इस पंक्ति के माध्यम से किस घटना की ओर संकेत किया गया है ?

(*v*) अवगुण, सत्य, स्वार्थ - के विलोम लिखिए।

(ख) प्रत्येक युग की सुविधा और असुविधाओं ने स्त्री-पुरुष के बंधन को विशेष रूप से प्रभावित किया है और प्राय: वह प्रभाव स्त्री की स्थिति में अधिक अन्तर

लाता रहा। शासकों में उसके प्रतिनिधियों की संख्या शून्य-सी रही है, अतः उसके सब विधान पुरुष की सुविधा के केन्द्र-बिन्दु बनाकर रचे गए। आध्यात्मिकता का सूक्ष्म अवलंब लेकर पुरुष के प्रति उसका जो कर्त्तव्य निश्चित किया गया है, उसमें उसके या समाज के हानि-लाभ का विशेष ध्यान नहीं रखा जा सकता था, यह स्पष्ट है। पुरुष और स्त्री का संबंध केवल आध्यात्मिक न होकर व्यावहारिक भी है। इस प्रत्यक्ष सत्य को समाज न जाने कैसे अनदेखा करता रहा है।

(*i*) अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखन कौन हैं ?

(*ii*) स्त्री-पुरुष का बंधन किससे प्रभावित हुआ और क्यों ?

(*iii*) स्त्री की स्थिति में अधिक अन्तर आने का क्या कारण था ?

(*iv*) किस प्रत्यक्ष सत्य को समाज अनदेखा करता रहा ?

(*v*) सूक्ष्म, अवलंब, प्रत्यक्ष - के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

(ग) पचास साल के बाद का भारत कृषि और औद्योगिक क्रांति से उभरा हुआ भारत है, जो अपने औपनिवेशिक चोले को मूल रूप से त्याग चुका है। यह 'साहब, बाबू और चपरासी' वाले परजीवी मध्यम वर्ग का भारत नहीं है। यह तो विकासशील कृषि और उद्योगों से

जुड़े, विज्ञान और टेक्नोलॉजी के ज्ञान और दक्षता के वाहक एक आर्थिक आत्मनिर्भरता, उत्पादकता, उद्यमशीलता, जोखिम उठाने की क्षमता आदि नए मूल्यों और मानकों के प्रतिनिधि नए मध्यम वर्ग का भारत है, जिसने भारत का मस्तक पूरे विश्व में ऊँचा किया है। भारत में नए-नए पेशों, व्यवसाय, दक्षता और प्रवीणता के बहुआयामी प्रसार और विविधता ने इस नव-मध्यम वर्ग को नया चरित्र, नया विस्तार और गहराई प्रदान की है।

(*i*) अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? इसके लेखक कौन हैं ?

(*ii*) इस अनुच्छेद के प्रमुख विचार-सूत्र का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) नव-मध्यम वर्ग की कौन-कौनसी विशेषताएँ बताई गई हैं ?

(*iv*) आज का भारत किस प्रकार के औपनिवेशिक चोले को त्याग चुका है ?

(*v*) आत्मनिर्भरता, उत्पादकता, परजीवी शब्दों से वाक्य बनाइए।

2. दिए गए प्रश्नों के आधार पर निम्नलिखित अनुच्छेद का विश्लेषण कीजिए :

दरअसल नारीवाद के भीतर नारी के गुणों या गरिमा को लेकर खुद तुम्हारे भीतर भी जो आदर भाव है, वह उसके जीवंत ही नहीं, सुषुप्त सामर्थ्य की संभावनाओं से भी जुड़ा है। यह सच है कि नारी ही नहीं, किसी भी दबे हुए वर्ग की पूरी सामर्थ्य एक साथ नहीं, बल्कि क्रमशः ही जागती है। और इस लम्बी प्रक्रिया के दौरान उस वर्ग के बीच

कई तरह की कमजोरियाँ, व्यवहारगत दोष और सीमाएँ प्रगट होते रहते हैं। उनको नकारा नहीं जा सकता, लेकिन यह मान बैठना भी सांघातिक होगा कि वह वर्ग उन कमजोरियों और दोषों के अलावा कुछ नहीं। इसलिए बेहतर हो कि नारीवाद की प्रशंसा या आलोचना करते वक्त अपन लोग इन निहायत मानवीय त्रुटियों के परिमार्जन के लिए एक चौड़ी जगह हाशिए पर छोड़ दें।

(*i*) अनुच्छेद का केन्द्रीय भाव लिखिए। 3

(*ii*) नारीवाद के संबंध में लेखिका के विचार लिखिए। 3

(*iii*) नारीवाद पर एक अनुच्छेद लिखिए। 4

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $5 \times 3 = 15$

(*i*) 'लोक-व्यवहार और समाज-विकास की दृष्टि से ही धर्म और आचार की व्याख्या की गई है, परलोक और आध्यात्म की दृष्टि से नहीं।' आशय स्पष्ट कीजिए।

(विज्ञान और धर्म)

(*ii*) कहानी में 'अपरिचित वीर मूर्ति' किसे कहा गया है और क्यों ? (गुंडा)

(*iii*) 'सरस्वती नदी' के संबंध में लेखक ने जिस भाव को अभिव्यक्त किया है उसका विश्लेषण कीजिए। (भाषा बहता नीर)

(*iv*) साहित्य-सृजन में क़ल्पना और यथार्थ की भूमिका पर प्रकाश डालिए। ('आज के अतीत' से)

(*v*) जातीयता की पृष्ठभूमि में कौन-कौनसे तथ्य हो सकते हैं ? (अस्मिताओं का संघर्ष)

(*vi*) अमेरिका द्वारा इराक पर चढ़ाई क्यों की गई थी ? (शक्ति का केंद्रीकरण)

(*vii*) हास्य-व्यंग्य कठिनाइयों को सहनीय कैसे बनाता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (हँसो हँसो जल्दी हँसो)

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 5×3=15

(*i*) जमुना और माणिक मुल्ला की कहानी की व्याख्या लेखक ने किस प्रकार की है ?

(*ii*) जमुना और तन्ना का विवाह क्यों नहीं हो पाया ?

(*iii*) आज के निम्न-मध्य वर्ग में प्रेम की अपेक्षा आर्थिक संघर्ष क्यों महत्त्वपूर्ण हो गया है ?

(*iv*) महेसर दलाल द्वारा लाई गई औरत ने तमाम बिखरती हुई गृहस्थी को कैसे संभाला ?

(*v*) माणिक मुल्ला को सत्ती अपना मित्र क्यों मानने लगी थी ?

(*vi*) सत्ती के शोषण से संबंधित किसी **एक** घटना का उल्लेख कीजिए।

(*vii*) सूरज के सातवें घोड़े को लेखक ने सपनों से कैसे जोड़ा है ?

अथवा

'यात्राएँ' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) ऋषि निकोलस रोरिक की तपोभूमि का नाम क्या था ? लेखक ने उस धरती को पवित्र क्यों कहा ?

(*ii*) सींयन में इब्सन का घर किन अर्थों में अनूठा है ?

(*iii*) जी. शंकर कुरूप कौन थे ?

(*iv*) स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित दूसरा आश्रम कहाँ है और उसे अनुदान कहाँ से मिलता है ?

(*v*) नागालैण्ड के लोगों की विशेषताएँ बताइए।

(*vi*) नैनी झील के सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(*vii*) नार्वे को 'दुनिया की छत' कहने का क्या कारण है ?

5. किसी **एक** विषय पर परिचर्चा **अथवा** टिप्पणी लिखिए : 10

(*i*) भ्रष्टाचार और राजनीति

(*ii*) आर. टी. आई.

(*iii*) आम आदमी का दर्द।

6. निम्नलिखित **संवाद** को **कथा-शैली** में रूपान्तरित कीजिए : 5

राजन : (हाथ जोड़कर निःशब्द नमस्कार)

पिता : खुश रहो···आओ। बेटे, मैं यह क्या अफवाह सुन रहा हूँ ? (सन्नाटा)

राजन : आप जानते हैं पिताजी, मैं शुरू से ही नौकरी के खिलाफ था···।

पिता : हाँ।

राजन : पर आपकी इच्छा और आज्ञा थी – आपका लड़का आई.ए.एस. में आए। वह कलेक्टर-डिस्ट्रिक मजिस्ट्रेट हो। अब वह बात भी पूरी हो गई।

पिता : (हँसते हैं) भई, अभी तो बात बनी है...।

राजन : क्या ? ...लेकिन मैं अब इस नौकरी से बाहर निकल रहा हूँ। (विराम)

राजन : पिछले दिनों यहाँ मंत्री जी आए थे।

पिता : हाँ, अखबार में पढ़ा था।

राजन : 'बाई एलेक्शन' में सरकारी पार्टी के उम्मीदवार गयादत्त की जो जीत हुई है, मंत्री ने मुझसे कहा, "पार्टी को जरा भी उम्मीद न थी कि हमारी

जीत होगी, पर मिस्टर राजन, आपकी मदद ने जो कमाल दिखाया, हमें उससे बेहद खुशी हुई है···आपका कमिश्नर होना मुबारक हो।'' उनका मतलब था, 'बाई इलेक्शन' में मैंने बेईमानी की है और यह कमिश्नरी मुझे उसी के इनाम में दी गई है···' दिस इज समथिंग हॉरिबुल'···।

पिता : उनके कहने से क्या होता है···।

राजन : अब उन्हीं के कहने से सब होता है।

पिता : पर तुम अपनी जगह पर तो हो।

राजन : नहीं, यहाँ हर आदमी जैसे एक दूसरे के रास्ते पर खड़ा है। मैं खुद खड़ा हूँ दूसरे के रास्ते पर। यह नौकरी किसी और की थी···।

(विराम)

राजन : इसके बाद मंत्री महोदय ने कहा - मिस्टर राजन आपके काम से हमें बहुत खुशी है। तभी आपको इतनी इंपोर्टेंट कमिश्नरी का चार्ज दिया गया है। आने वाले जनरल इलेक्शन के लिए वहाँ से आपको बारह लाख रुपए का इंतजाम करना है।

7. (क) कोश किसे कहते हैं ? अंग्रेज़ी-हिंदी कोश का परिचय दीजिए। 5

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 5

घोड़ा, घास, गंगा, गुलाबी, ग्रहण, अरविंद, अंगूठी, शिक्षा, सुरेश, अशोक।

अथवा

किन्हीं **दो** अवधारणामूलक शब्दों के अर्थ स्पष्ट कीजिए :

साम्प्रदायिक, बाजारवाद, इतिहास, आचरण।

(ग) किन्हीं **पाँच** वाक्यों का पदक्रम ठीक कीजिए : 5

(*i*) पहले बाढ़ से बाँध की उपयोगिता है।

(*ii*) आज समस्या विकराल हो गई है आतंकवादी।

(*iii*) विलायत का घर भरना तुम्हारा काम गरीबों को लूट कर है।

(*iv*) पृष्ठभूमि में अनेक तथ्य हो सकते हैं जातीयता की।

(*v*) आज विकृतियों पर चर्चा गर्म है बाजार और उससे उपजने वाली।

(*vi*) मैं सुनती गई उसकी चुपचाप बातें।

(*vii*) जनसमूह साहित्य के हृदय का विकास है।